खबर संक्षेप

कलेक्टर ने सुनीं आमजन की समस्याएं

शहडोल। जनसुनवाई में कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने जिले के विभिन्न दूरस्थ क्षेत्रों से पहुंचे नागरिकों की समस्याएं एवं शिकायतें गंभीरता से सुनीं तथा संबंधित अधिकारियों को त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। जनसुनवाई के दौरान ग्राम बेम्हौरी निवासी राकेश पाल ने राशन कार्ड बनवाने संबंधी, तहसील जैतपुर अंतर्गत ग्राम बहगढ निवासी सोनम प्रजापति ने आंगनबाड़ी केंद्र कोलान टोला बहगढ़ में आंगनबाड़ी सहायिका भर्ती की जांच कराने, ग्राम पंचायत पाथर निवासी आशा सिंह ने वेतन दिलाए जाने तथा बुढार तहसील के ग्राम खमरौंध निवासी बिपाशा बाई ने विकलांग पेंशन योजना का लाभ दिलाने हेतु आवेदन किया। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने सभी प्राप्त आवेदनों को संबंधित विभागों के अधिकारियों को प्रेषित करते हुए शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आमजन की समस्याओं का समय-सीमा में निराकरण प्रशासन की प्राथमिकता है। जनसुनवाई में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शिवम प्रजापति सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

आम और महुआ पर प्रलय, अन्नदाता बेहाल

शहडोल। आसमान से बरसी राहत की बूंदें शहडोल के अन्नदाता के लिए जहर साबित हो रही हैं। मंगलवार को जिले में कुदरत ने ऐसा यू-टर्न लिया कि भीषण गर्मी के बीच झमाझम बारिश और तेज आंधी ने पूरे जनजीवन को तहस-नहस कर दिया। जिसे शहर का रईस तबका सुहाना मौसम कह रहा है, असल में वह बेमौसम मार किसानों की कमर तोड़ चुकी है।मई की तपिश में राहत की उम्मीद पालने वालों पर यह बारिश आफत बनकर टूटी है। तेज हवाओं के तांडव ने आम और महुआ की तैयार फसलों को मिट्टी में मिला दिया है। पेड़ों से टूटकर जमीन पर बिछी फसलें किसानों की सालभर की मेहनत और आर्थिक रीढ़ पर सीधा प्रहार हैं। आंधी ने न सिर्फ पेड़ों को झकझोरा, बल्कि उन सपनों को भी उजाड़ दिया जो इस सीजन की कमाई पर टिके थे।

गर्मी में बच्चों को पर्याप्त मात्रा में तरल पदार्थ पिलाएं: सीएमएचओ

शहडोल। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजेश मिश्रा ने ग्रीष्म ऋतु को ध्यान में रखते हुए बच्चों की सुरक्षा हेतु आवश्यक सलाह जारी की है। उन्होंने कहा कि गर्मी के मौसम में बच्चों को पर्याप्त मात्रा में तरल पदार्थों का सेवन कराना चाहिए तथा तेज धूप में खेलने से बचाना चाहिए।
सीएमएचओ ने बताया कि बेहोशी की स्थिति में बच्चे को कुछ भी खाने-पीने के लिए न दें तथा गर्मी के मौसम में बच्चों के शरीर को अच्छी तरह ढककर रखें। उन्होंने कहा कि यदि बच्चे को अत्यधिक गर्मी लगे तो उसे तुरंत छांव या कमरे के अंदर लाएं और नल के पानी से शरीर को पोंछें अथवा पानी का छिडक़ाव करें।
उन्होंने सलाह दी कि बच्चे के कपड़ों को जितना संभव हो ढीला रखें। यदि बच्चा होश में हो तो उसे तुरंत ठंडा पानी पिलाएं तथा पैरों को थोड़ा ऊंचा करके लिटाएं। उल्टी होने की स्थिति में बच्चे को करवट के बल लिटाएं ताकि गले में कुछ फंसने की आशंका न रहे। साथ ही पंखे या ठंडी हवा का उपयोग करने की भी सलाह दी गई है।

रामपुर मेगा प्रोजेक्ट में जितेंद्र पांडे पर गंभीर आरोप

तकनीकी निरीक्षक की शैल कंपनियों का काला साम्राज्य

साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड लिमिटेड के सोहागपुर एरिया में संचालित रामपुर बटुरा मेगा प्रोजेक्ट एक बार फिर सुर्खियों में है। तकनीकी निरीक्षक जितेंद्र पांडे पर आरोप है कि वे अपनी आधिकारिक भूमिका से आगे बढक़र फर्म संचालन, ट्रांसपोर्ट और कोयला कारोबार में गहरी पकड़ बनाए हुए हैं। बिलासपुर मुख्यालय तक संपर्क और बाहरी नेटवर्क की भी चर्चा तेज हो गई है।

शैल फर्म, ट्रांसपोर्ट और कोयला कारोबार पर नियंत्रण के आरोप

शहडोल। एसइसीएल के सोहागपुर एरिया का रामपुर बटुरा मेगा प्रोजेक्ट, जो कंपनी के लिए उत्पादन और मुनाफे का प्रमुख केंद्र माना जाता है, इन दिनों गंभीर आरोपों के चलते चर्चा में है। यहां पदस्थ तकनीकी निरीक्षक जितेंद्र पांडे को लेकर यह कहा जा रहा है कि वे अब केवल अपने पद की सीमाओं में नहीं हैं, बल्कि उन्होंने एक समानांतर कारोबारी नेटवर्क खड़ा कर लिया है, जिसका असर खदान से लेकर बाजार तक देखा जा रहा है। सूत्रों के अनुसार, जितेंद्र पांडे की गतिविधियां अब प्रशासनिक दायरे से काफी आगे बढ़ चुकी हैं। वे ट्रांसपोर्टरों, डीओ होल्डरों और कोयला कारोबारियों के साथ सीधे समन्वय में काम करते हैं। उनकी छत्तीसगढ़ और बिलासपुर की लगातार यात्राएं भी इसी नेटवर्क का हिस्सा बताई जा रही हैं। बताया जाता है कि वे महीने में दो से तीन बार बिलासपुर जाकर वहां के अधिकारियों और कारोबारी समूहों से संपर्क साधते हैं।
इस पूरे मामले में मनोज गुप्ता का नाम भी प्रमुखता से सामने आ रहा है, जो पहले रोड सेल में मुनीम का काम करता था। अब वही मनोज गुप्ता कथित तौर पर एक बड़े कारोबारी के रूप में उभरा है। आरोप है कि आर्या आकृति एसोसिएट्स और समीरा नाम की फर्मों के माध्यम से बड़े स्तर पर काम संचालित किया जा रहा है, जिनका संचालन जितेंद्र पांडे के प्रभाव में किया जा रहा है। हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन क्षेत्र में इसको लेकर लगातार चर्चाएं हैं।
सूत्र बताते हैं कि रामपुर बटूरा प्रोजेक्ट में एक लोडर (वाहन) जिसका नंबर सीजी 12 बीएस 8275 बताया जा रहा है, भी इसी नेटवर्क से जुड़ा हुआ है। इसके अलावा अन्य क्षेत्रों में भी इस नेटवर्क की सक्रियता की चर्चा है, जिससे यह संकेत मिलता है कि काम केवल एक प्रोजेक्ट तक सीमित नहीं है। सबसे गंभीर आरोप खदान में कोयले के वर्गीकरण और वितरण को लेकर सामने आ रहे हैं। माइनस 100 मिमी श्रेणी के कोयले को लेकर प्राथमिकता देने और स्टीम गुणवत्ता तय करने के नाम पर प्रभाव डालने की बात कही जा रही है। सूत्रों के अनुसार, जय अंबे कंपनी के साथ मिलकर यह पूरा सिस्टम संचालित होता है, जहां कारोबारी हितों के अनुसार फैसले लिए जाते हैं।

सोहागपुर एरिया में प्रभाव का जाल, बिलासपुर तक जुड़े तार

रामपुर बटुरा ओपन कास्ट माइंस से निकलने वाले कोयले के परिवहन में भी एक विशेष नेटवर्क के सक्रिय होने की बात सामने आ रही है। विनायक ट्रांसपोर्ट नामक फर्म, जिसे राजस्थान की कंपनी बताया जाता है, के माध्यम से कोयले की सप्लाई होती है। आरोप है कि इस व्यवस्था में भी पांडे और उनके करीबी लोगों की भूमिका अहम है। इन परिस्थितियों में स्थानीय ट्रांसपोर्टरों में असंतोष बढ़ रहा है। उनका कहना है कि धीरे-धीरे स्वतंत्र और छोटे ट्रांसपोर्टर सिस्टम से बाहर होते जा रहे हैं और काम सीमित लोगों के पास सिमटता जा रहा है। दबाव और प्रतिस्पर्धा के चलते कोई खुलकर विरोध नहीं कर पा रहा है। खदान के भीतर भी हालात सामान्य नहीं बताए जा रहे। लोडिंग, कांटा घर, बूम बैरियर और लेवलिंग जैसे हर स्तर पर एक ही प्रभावी समूह के सक्रिय होने की बात सामने आ रही है। इससे न केवल पारदर्शिता पर सवाल उठ रहे हैं, बल्कि पूरी व्यवस्था की निष्पक्षता भी प्रभावित हो रही है।
मामले में महाप्रबंधक बी.के. जेना की भूमिका को लेकर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। आरोप है कि इतनी बड़ी गतिविधियां बिना उच्च स्तर की जानकारी के संभव नहीं हैं। यदि जानकारी है तो कार्रवाई क्यों नहीं हो रही, और यदि जानकारी नहीं है तो यह निगरानी व्यवस्था की गंभीर कमी को दर्शाता है। रामपुर बटुरा मेगा प्रोजेक्ट, जो कभी कंपनी की ताकत का प्रतीक था, अब आरोपों के घेरे में है। यदि इन मामलों की निष्पक्ष और उच्चस्तरीय जांच होती है, तो यह स्पष्ट हो सकता है कि एक तकनीकी निरीक्षक के प्रभाव ने किस तरह एक व्यापक कारोबारी ढांचे का रूप ले लिया। अब नजरें कंपनी मुख्यालय पर हैं कि वह इस मामले में क्या कदम उठाता है। समय रहते ठोस कार्रवाई नहीं हुई, तो यह मामला पूरे सिस्टम की विश्वसनीयता पर बड़ा सवाल खड़ा कर सकता है।

कमिश्नर कार्यालय में आयोजित हुई जनसुनवाई

दूर-दराज से पहुंचे लोगों की सुनी गई समस्याएं

शहडोल। कमिश्नर कार्यालय में कमिश्नर श्रीमती सुरभि गुप्ता ने संभाग के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे लोगों की समस्याएं एवं शिकायतें सुनीं। उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्राप्त आवेदनों का समय-सीमा में प्रभावी निराकरण सुनिश्चित किया जाए।
जनसुनवाई के दौरान बाणगंगा कॉलोनी वार्ड क्रमांक 17 शहडोल निवासी अरुण कुमार केवट ने बीपीएल कार्ड बनवाने, जिले की गोहपारू तहसील अंतर्गत ग्राम दुलादर निवासी राम प्रकाश शुक्ला ने विद्युत ट्रांसफार्मर स्थापित कराने एवं बिजली कनेक्शन दिलाए जाने संबंधी, अनूपपुर जिले की पुष्पराजगढ़ तहसील अंतर्गत ग्राम श्यामदुआरी निवासी मनमोहन सिंह ने फोरलेन हाईवे सडक़ निर्माण में अधिकृत भूमि के मुआवजा राशि दिलाए जाने संबंधी आवेदन दिया। कमिश्नर श्रीमती सुरभि गुप्ता ने सभी प्राप्त आवेदनों को संबंधित विभागों को प्रेषित करते हुए शीघ्र कार्रवाई एवं निराकरण के निर्देश दिए। जनसुनवाई में अन्य आवेदकों ने भी अपनी विभिन्न समस्याओं एवं शिकायतों से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए। इस अवसर पर संभाग स्तरीय विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

भ्रष्टाचार और अव्यवस्था का अड्डा बना शंभूनाथ विश्वविद्यालय

एनएसयूआई का हल्ला बोल, कुलपति के इस्तीफे की मांग

शहडोल। पंडित शंभूनाथ शुक्ल विश्वविद्यालय में व्याप्त गंभीर शैक्षणिक, प्रशासनिक और वित्तीय अनियमितताओं के खिलाफ छात्र संगठन एनएसयूआई ने मोर्चा खोल दिया है। जिलाध्यक्ष सौरभ तिवारी के नेतृत्व में आक्रोशित छात्र-छात्राओं ने मुख्यमंत्री के नाम स्थानीय विधायक को ज्ञापन सौंपकर विश्वविद्यालय प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। हस्ट्ठ ने दो टूक चेतावनी दी है कि यदि 7 दिनों के भीतर सुधार नहीं हुआ, तो पूरा जिला उग्र आंदोलन की आग में धधक उठेगा।

कागजों पर विकास, धरातल पर सन्नाटा

ज्ञापन में विश्वविद्यालय की वित्तीय पारदर्शिता पर गंभीर सवाल उठाए गए हैं। पीएम-ऊषा योजना के तहत विश्वविद्यालय के कायाकल्प के लिए स्वीकृत 55 करोड़ रुपये की भारी-भरकम राशि का क्या हुआ, इसका कोई सुराग नहीं है। सरकारी दस्तावेजों में 100 प्रतिशत खर्च का दावा किया जा रहा है, लेकिन हकीकत यह है कि आज भी छात्र बुनियादी सुविधाओं और कंप्यूटर संसाधनों के लिए तरस रहे हैं। इसी तरह, डिग्री कॉलेज हॉस्टल के सुधार के लिए आए 50 लाख रुपये डकार लिए गए और हॉस्टल आज भी जर्जर अवस्था में है।

भाई-भतीजावाद और प्रभार का खेल

एनएसयूआई ने आरोप लगाया कि विश्वविद्यालय शिक्षा का मंदिर कम और अपनों के कल्याण का केंद्र ज्यादा बन गया है। कुलपति और उनके करीबियों द्वारा अपने चहेतों व रिश्तेदारों को पिछले दरवाजे से भर्ती किया जा रहा है। प्रशासनिक अराजकता का आलम यह है कि परीक्षा प्रभारी डॉ. पूर्णिमा शर्मा पर कई महत्वपूर्ण प्रभार थोप दिए गए हैं, जबकि छात्र रिजल्ट के लिए दर-दर भटक रहे हैं। कुलसचिव पिछले तीन महीनों से लापता हैं, जिससे पूरी प्रशासनिक व्यवस्था पंगु हो गई है। संस्कृत विभाग के प्राध्यापक को ओएसडी और बस प्रभारी बनाकर छात्रों की पढ़ाई के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है।

ठंडे बस्ते में नेताओं की घोषणाएं

जिलाध्यक्ष सौरभ तिवारी ने कहा कि 2023 में पूर्व मुख्यमंत्री और वर्तमान मुख्यमंत्री ने शहडोल में नवीन महाविद्यालय की घोषणा की थी, लेकिन आज तक एक ईंट भी नहीं रखी गई। यह क्षेत्र के युवाओं के भविष्य के साथ सरासर धोखा है। एनएसयूआई ने कुलपति के इस्तीफे की मांग करते हुए प्रशासन को घेरा है। ज्ञापन सौंपने के दौरान जिला उपाध्यक्ष आशीष द्विवेदी, सिमरन कौर, ब्लॉक अध्यक्ष अमन तिवारी, विश्वविद्यालय अध्यक्ष दीपांशु गुप्ता सहित भारी संख्या में छात्र मौजूद रहे। छात्रों का साफ कहना है कि भ्रष्टाचार की यह दीमक विश्वविद्यालय को खोखला कर रही है और अब आर-पार की लड़ाई लड़ी जाएगी।

गोहपारू में वन संपदा पर माफिया की लूट, बेबस विभाग!

शहडोल। दक्षिण वन मंडल के गोहपारू वन परिक्षेत्र में इन दिनों वन विभाग का इकबाल पूरी तरह खत्म नजर आ रहा है। यहाँ खाकी की नाक के नीचे जंगल के असली वारिसों—बेशकीमती पेड़ों—पर लकड़ी माफिया की कुल्हाड़ी नहीं, बल्कि पर्यावरण के कत्ल का खूनी खेल चल रहा है। इस पूरे काले साम्राज्य का बेताज बादशाह कहा जाने वाला लाल साहब नामक व्यक्ति शासन के नियमों को ठेंगा दिखाकर हरियाली को राख में तब्दील कर रहा है।

नीलगिरी का झांसा, साल-सागौन पर निशाना

माफिया का ऑपरेशन क्लीन बेहद शातिर है। सूत्रों की मानें तो यह गिरोह गांवों में घुसकर गरीब और अनपढ़ आदिवासियों को नीलगिरी (यूकेलिप्टस) की वैध कटाई का सब्जबाग दिखाता है। ग्रामीण जब तक इसकी हकीकत समझ पाते हैं, तब तक माफिया उसकी आड़ में जंगल के बेशकीमती पेड़ों को जमींदोज कर चुका होता है। भोले-भाले ग्रामीणों को चंद रुपयों का लालच देकर यह नेटवर्क प्राकृतिक संपदा की जड़ों में म_ा डाल रहा है।

रेकी से बचता सरगना

हैरानी की बात यह है कि माफिया का सूचना तंत्र (इंटेलीजेंस) सरकारी तंत्र से कहीं ज्यादा चौकस है। लाल साहब ने विभाग के अफसरों की निगरानी के लिए बाकायदा गुर्गे पाल रखे हैं। ये मुखबिर पल-पल की लोकेशन माफिया तक पहुँचाते हैं। जैसे ही कोई जांच दल या मीडिया की टीम क्षेत्र में हलचल करती है, माफिया का नेटवर्क अंडरग्राउंड हो जाता है।

आखिर मौन क्यों है महकमा

क्षेत्र में चर्चा है कि आखिर लाल साहब को किसका वरदहस्त प्राप्त है? लाखों के राजस्व की चपत लगने के बावजूद रेंजर से लेकर आला अधिकारियों की चुप्पी कई संदेहों को जन्म दे रही है। क्या विभाग के निचले कर्मचारियों ने माफिया के आगे घुटने टेक दिए हैं या फिर चमकते सिक्कों ने उनकी जुबान बंद कर दी है? जागरूक नागरिकों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही इस गिरोह पर रासुका जैसी कड़ी कार्रवाई नहीं हुई, तो गोहपारू के जंगल केवल सरकारी फाइलों के नक्शों में सिमट कर रह जाएंगे। अब देखना यह है कि दक्षिण वन मंडल के जिम्मेदार अधिकारी इस लाल साहब के तिलिस्म को तोड़ पाते हैं या माफिया का यह आतंक यूं ही जारी रहेगा।

खबर संक्षेप

भाजपा की जीत पर मंडल कोतमा ने मनाया जीत का उत्सव

हरिभूमि न्यूज कोतमा। पश्चिम बंगाल असम एवं पुडुचेरी में भाजपा की ऐतिहासिक जीत पर मध्यप्रदेश शासन के मंत्री दिलीप जायसवाल के नेतृत्व में अनूपपुर जिले एवं मंडल कोतमा के भाजपा पदाधिकारियों ने सोमवार की देर शाम नगर के हृदय स्थल गांधी चौक में बैंड बाजा के साथ पटाखे फोड़कर एवं मिठाई बांटकर सभी को बधाई दी। मंत्री दिलीप जायसवाल ने कहा कि पश्चिम बंगाल सहित अन्य राज्यों के चुनावी परिणाम में भारतीय जनता पार्टी के बेहतर प्रदर्शन और जीत ने पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थको में एक अलग ऊर्जा ला दी है कार्यकर्ताओं ने यहां एक दूसरे को गले लगाकर मिठाई खिलाई कार्यकर्ताओं ने भारत माता की जय और पार्टी के समर्थन में नारेबाजी की मंत्री दिलीप जायसवाल ने कहा कि पार्टी कार्यकर्ताओं का उत्साह देखते ही नहीं बन रहा है पार्टी कार्यकर्ता नगर के वार्डों में भी पहुंचकर खुशियां मना रहे हैं।

परीक्षा संचालन व्यवस्था का निरीक्षण किए जाने हेतु उडनदस्ता दल गठित

उमरिया। माध्यमिक शिक्षा मण्डल भोपाल के अनुक्रम में हाई स्कूल हायर सेकेण्डरी द्वितीय परीक्षा वर्ष 2026 का आयोजन 7 मई से प्रारंभ होकर 25 मई तक समय प्रातः 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक जिले के परीक्षा केन्द्रों में सम्पन्न होगी। कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय ने परीक्षा की पवित्रता, गुणवत्ता एवं विश्वसनीयता बनाये रखने के लिये मण्डल द्वारा निर्धारित 4 परीक्षा केन्द्रों में परीक्षा संचालन व्यवस्था के औचक निरीक्षण किये जाने हेतु निम्नानुसार निरीक्षण दलों (उडनदस्ता) का गठन किया गया है। दल प्रमुख परीक्षा तिथियों में परीक्षा केन्द्रों का सघन निरीक्षण करने हेतु पूर्ण रूप से उत्तरदायी होगें। निरीक्षण प्रतिवेदन प्रति दिवस शाम 4 बजे केंद्राध्यक्षों के हस्ताक्षर सहित जिला शिक्षा अधिकारी जिला उमरिया के कार्यालय को उपलब्ध कराएंगे। समस्त अनुविभागीय दण्डाधिकारी एवं तहसीलदार अपने क्षेत्रान्तर्गत स्थित परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण करेंगे। सम्पूर्ण परीक्षा के दौरान समस्त व्यवस्थाओं के प्रभारी जिला शिक्षा अधिकारी उमरिया होंगे, इनके द्वारा भी परीक्षा केन्द्रों का औचक निरीक्षण किया जावेगा।

नेशनल लोक अदालत के तहत विद्युत प्रकरणों में मिलेगी छूट

उमरिया। नेशनल लोक अदालत का आयोजन 9 मई को किया गया है। मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड (एमपीपीकेवीवीसीएल) उमरिया वृत्त अंतर्गत विद्युत उपभोक्ताओं के लंबित प्रकरणों के त्वरित निराकरण हेतु आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत 9 मई 2026 (शनिवार) में विशेष छूट योजना लागू की जा रही है। प्राप्त निर्देशों के अनुसार, लोक अदालत में विद्युत चोरी/अनाधिकृत उपयोग से संबंधित प्रकरणों में उपभोक्ताओं को निर्धारित शर्तों के अंतर्गत आकलित सिविल दायित्व राशि पर छूट प्रदान की जाएगी। यह छूट केवल प्रथम बार प्रकरण वाले उपभोक्ताओं को ही दी जाएगी। योजना के अंतर्गत उपभोक्ताओं को यह सुनिश्चित करना होगा कि वे अपने नाम पर लंबित समस्त विद्युत देयकों का भुगतान करें। साथ ही,जिन उपभोक्ताओं के नाम पर विधिवत कनेक्शन नहीं है, उन्हें पहले वैध कनेक्शन प्राप्त करना अनिवार्य होगा। यह छूट अधिकतम 10,00,000 (दस लाख रुपये) तक के प्रकरणों के लिए लागू रहेगी तथा केवल लोक अदालत में समझौते के आधार पर ही इसका लाभ प्राप्त किया जा सकेगा। उपभोक्ता इस अवसर का लाभ उठाकर अपने लंबित प्रकरणों के शीघ्र निराकरण से भविष्य में किसी प्रकार की विधिक कार्यवाही से बच सकते है। अधीक्षण अभियंता, उमरिया योगेश कुमार उईके ने कहा है कि सभी उपभोक्ता राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर इस विशेष छूट योजना का लाभ लें तथा अपने प्रकरणों का सौहार्दपूर्ण समाधान सुनिश्चित करें। यह पहल उपभोक्ताओं को राहत प्रदान करने एवं विवादों के त्वरित निस्तारण के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है।

तीन चेहरों के इर्द-गिर्द घूम रहा करोड़ों का टेंडर खेल

उत्तर शहडोल वन मंडल में तिकड़ी-राज

उत्तर शहडोल वन मंडल में टेंडर प्रक्रिया का विवाद अब एक बड़े विस्फोट की ओर बढ़ रहा है। निष्पक्ष जांच की मांग को लेकर अन्य ठेकेदारों ने अब शपथ पत्र (एफिडेविट) के साथ मोर्चा खोल दिया है। आरोप है कि विभाग के भीतर बैठा एक शक्तिशाली सिंडिकेट पिछले कई वर्षों से सरकारी खजाने को चूना लगा रहा है। यदि उच्चस्तरीय जांच हुई, तो भ्रष्टाचार की एक ऐसी सल्तनत का खुलासा होगा जो सालों से पर्दे के पीछे से संचालित हो रही है।

हरिभूमि

उत्तर वन मंडल में टेंडर का खेल

चार साल से एक ही लाडले पर मेहरबान विभाग

डेढ़ करोड़ की निविदा में फिर वही पुराना खिलाड़ी

आठ ठेकेदारों को तकनीकी जाल में फंसाकर किया बाहर

भ्रष्टाचार की बू से महका वन विभाग

शहडोल वन मंडल: 4 साल से एक ही ठेकेदार!

बाकी सब अयोग्य, कैसे?

टेंडर घोटाला?

तकनीकी बारीकियों का इस्तेमाल

भ्रष्टाचार की इस अमरबेल को काटना जरूरी

डीएफओ साहब अनजान या मौन

शहडोल।

उत्तर वन मंडल में भ्रष्टाचार की जड़ें इतनी गहरी हो चुकी हैं कि अब यहां पारदर्शिता शब्द बेमानी लगने लगा है। हाल ही में मेसर्स अखिलेश सिंह को मिली अवैध मोनोपॉली और अन्य 8 अनुभवी ठेकेदारों को तकनीकी रूप से अयोग्य घोषित करने के मामले ने तूल पकड़ लिया है। इस पूरे खेल के पीछे तीन मुख्य किरदारों के नाम प्रमुखता से उभरकर सामने आ रहे हैं, जो कथित तौर पर डीएफओ और सीसीएफ जैसे ईमानदार अधिकारियों की नाक के नीचे अपनी सल्तनत चला रहे हैं।

मास्टरमाइंड की भूमिका में संतोष शुक्ला

विभागीय गलियारों में चर्चा है कि इस पूरे टेंडर फिक्सिंग का मास्टरमाइंड व्यय प्रभारी संतोष शुक्ला है। सूत्रों का दावा है कि फाइलों को किस तरह घुमाना है और किस नियम की आड़ में पसंदीदा ठेकेदार को फायदा पहुंचाना है, इसमें शुक्ला को महारत हासिल है। शिकायत पत्र के अनुसार, मेसर्स अखिलेश सिंह द्वारा निविदा की अनिवार्य शर्तों का उल्लंघन किया गया, जिसमें 200 रुपये के स्टाम्प की जगह महज 100 रुपये का स्टाम्प लगाया गया। इसके बावजूद संतोष शुक्ला की टेबल से फाइल का पास हो जाना सीधे तौर पर मिलीभगत की ओर इशारा करता है। वित्तीय अनियमितताओं और बाजार दर से ऊंचे रेट पर सामग्री की स्वीकृति दिलाने में व्यय प्रभारी की भूमिका सबसे संदिग्ध मानी जा रही है।

कंप्यूटर ऑपरेटर नितेश का डिजिटल घेराव

इस सिंडिकेट का दूसरा महत्वपूर्ण हिस्सा है नितेश, जो मूलतः एक वनरक्षक है, लेकिन अपनी रसूख के दम पर फील्ड छोड़कर सालों से ऑफिस में कंप्यूटर ऑपरेटर बनकर जमा हुआ है। आरोप है कि नितेश ही वह व्यक्ति है जो ऑनलाइन पोर्टल पर अन्य ठेकेदारों के विरुद्ध नकारात्मक रवैया अपनाता है। तकनीकी मूल्यांकन के दौरान अन्य योग्य निविदाकारों को सूक्ष्म और आधारहीन कारणों से पोर्टल से बाहर करने का काम इसी स्तर पर होता है। एक वनरक्षक का ऑफिस में बैठकर टेंडर जैसी गोपनीय और महत्वपूर्ण प्रक्रिया को संचालित करना न केवल नियमों के विरुद्ध है, बल्कि यह दर्शाता है कि उसे ऊंचे स्तर से संरक्षण प्राप्त है।

क्रय समिति के मुखिया एसडीओएफओ ‹ पर सवाल

किसी भी टेंडर को अंतिम मंजूरी देने वाली क्रय समिति का नेतृत्व हंसा सिंह भदोरिया करते हैं। शिकायतकर्ताओं का सीधा आरोप है कि भदोरिया और ठेकेदार अखिलेश सिंह के बीच गहरे संबंध हैं। समिति के अध्यक्ष होने के नाते यह भदोरिया की जिम्मेदारी थी कि वे दस्तावेजों का सूक्ष्म परीक्षण करते, लेकिन उन्होंने स्थापना पंजीयन जैसे अनिवार्य दस्तावेजों के अभाव के बावजूद एक ही फर्म को पात्र घोषित कर दिया। यह सिंगल टेंडर की स्थिति जानबूझकर निर्मित की गई ताकि प्रतिस्पर्धा शून्य हो जाए और सरकारी धन की बंदरबांट की जा सके।

4 साल की अवैध मोनोपॉली और करोड़ों का नुकसान

पिछले 4 वर्षों के रिकॉर्ड का विश्लेषण करें तो स्पष्ट होता है कि उत्तर वन मंडल में टेंडर का आवंटन केवल एक ही पक्ष के इर्द-गिर्द घूम रहा है। सीमेंट, लोहा सरिया, ईंटा, रेत और प्रोफाइल शीट जैसी सामग्रियों की आपूर्ति में मेसर्स अखिलेश सिंह की अवैध मोनोपॉली स्थापित कर दी गई है। अन्य ठेकेदारों का कहना है कि जब प्रतिस्पर्धा खत्म कर दी जाती है, तो संबंधित फर्म बाजार दर से कहीं अधिक ऊंचे दाम कोट करती है। विभागीय समिति बिना किसी मार्केट रेट एनालिसिस के इन दरों को स्वीकृति दे देती है, जिससे सरकारी खजाने को सीधे तौर पर करोड़ों रुपये की चपत लग रही है।

ईमानदार अधिकारियों से उम्मीद

हैरानी की बात यह है कि जहां एक ओर डीएफओ और सीसीएफ जैसे अधिकारियों की छवि बेदाग मानी जाती है, वहीं उनके अधीनस्थ यह त्रिमूर्ति—संतोष शुक्ला, नितेश और हंसा सिंह भदोरिया—पूरे विभाग की साख पर बट्टा लगा रहे हैं। अब पीड़ित ठेकेदारों ने लामबंद होकर शपथ पत्र देना शुरू कर दिया है। शिकायतकर्ताओं का कहना है कि यदि 07 दिनों के भीतर इस सिट या ईओडब्ल्यू से जांच नहीं कराई गई, तो वे माननीय लोकायुक्त और उच्च न्यायालय की शरण लेंगे।

वर्षों से एक ही नाम की तानाशाही

शाहबाज (कॉन्ट्रैक्टर/सप्लायर, रायपुर) ने कहा कि मैं स्वयं इस भ्रष्ट तंत्र का शिकार रहा हूं। वर्ष 2024-25 में मेरे टेंडरों में भी तकनीकी स्तर पर सभी को बाहर कर केवल अखिलेश सिंह को आगे बढ़ाया गया। शिकायत के बाद टेंडर निरस्त तो हुआ, लेकिन खेल फिर वही खेला गया। सप्लाई देने के बाद बिना किसी लैब टेस्ट या पंचनामा के मेरा माल अस्वीकार कर दिया गया और मौखिक रूप से मैनेज करने के संकेत दिए गए। सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर 10 सालों से शहडोल नॉर्थ में हर टेंडर चाहे वो सीमेंट का हो, ईंट का हो या बाब्ड वायर का सिर्फ अखिलेश सिंह को ही क्यों मिलता है? आरटीआई के माध्यम से जानकारी मांगने पर भी विभाग मौन है। मेरे पास जेम पोर्टल के वो रिकॉर्ड मौजूद हैं जो इस सिंडिकेट की पोल खोल सकते हैं और मैं जांच में सहयोग के लिए तैयार हूं।

इनका कहना है...

टेंडर ऑनलाइन निकल जाते हैं उन्हें ऑनलाइन प्रक्रिया के तहत ही भरा जाता है, यदि कोई भी अधीनस्थ कर्मचारी इस प्रक्रिया में गड़बड़ करता है, तो उसे बक्शा नहीं जाएगा,फिलहाल टेंडर की फाइनेंसियल बीट अभी क्लोज ही है ऐसे में या आरोप लगाना की धांधली हो रही है,अपने आप में विचारणीय है।

तरुणा वर्मा
डीएफओ,उत्तर वन मंडल,शहडोल

परीक्षा संचालन की व्यवस्था का निरीक्षण किए जाने हेतु उडनदस्ता दल गठित

उमरिया।

माध्यमिक शिक्षा मण्डल भोपाल के अनुक्रम में हाई स्कूल हायर सेकेण्डरी द्वितीय परीक्षा वर्ष 2026 का आयोजन 7 मई से प्रारंभ होकर 25 मई तक समय प्रातः 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक जिले के परीक्षा केन्द्रों में सम्पन्न होगी। कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय ने परीक्षा की पवित्रता, गुणवत्ता एवं विश्वसनीयता बनाये रखने के लिये मण्डल द्वारा निर्धारित 4 परीक्षा केन्द्रों में परीक्षा संचालन व्यवस्था के औचक निरीक्षण किये जाने हेतु निम्नानुसार निरीक्षण दलों (उडनदस्ता) का गठन किया गया है।

दल प्रमुख परीक्षा तिथियों में परीक्षा केन्दों का सघन निरीक्षण करने हेतु पूर्ण रूप से उत्तरदायी होगें। निरीक्षण प्रतिवेदन प्रति दिवस शाम 4 बजे केन्द्राध्यक्षको के हस्ताक्षर सहित जिला शिक्षा अधिकारी जिला उमरिया के कार्यालय को उपलब्ध करवायेगे। समस्त अनुविभागीय दण्डाधिकारी एवं तहसीलदार अपने क्षेत्रान्तर्गत स्थित परीक्षा केन्द्रो का औचक निरीक्षण करेंगे। सम्पूर्ण परीक्षा के दौरान समस्त व्यवस्थाओं के प्रभारी जिला शिक्षा अधिकारी उमरिया होगे, इनके द्वारा भी परीक्षा केन्द्रों का औचक निरीक्षण किया जावेगा।

साप्ताहिक जनसुनवाई में कलेक्टर ने सुनी 69 आवेदकों की समस्याएं

उमरिया।

साप्ताहिक जनसुनवाई कार्यक्रम में कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय ने जिले के दूर दराज से आए 69 आवेदकों की समस्याओं को सुना तथा आवेदनों के निराकरण के लिए आवेदन संबंधित विभाग की ओर प्रेषित किया। जनसुनवाई में गोपी सिंह पठारी कला ने निजी पटटे मे लगाए गए बीएसएनएल मोबाइल टॉवर को हटवाने या किराया दिलाने, मदीना बेगम नौरोजाबाद ने 8 माह का वृध्दावस्था पेंशन दिलाने, रामधनी खटिक रमपुरी ने गरीबी रेखा पात्रता पर्ची में रूका हुआ खाद्यान्न दिलाने, अमित कुमार श्रीवास्तव ग्राम पडवार ने आम रास्ता दिलाने तथा मूलभूत सुविधा दिलाने, रश्मी रैदास ग्राम पंचायत मझगां ने मुख्यमंत्री कल्याणी सहायता दिलाने, अनीता देवी ग्राम दरबार ने विकलांगता पेंशन दिलाने, सत्यम बैगा ग्राम बस्कुटा ने कक्षा 10वीं की अंकसूची में फोटो सुधार कराने, बिसरता बैगा ग्राम लदेरा ने पेटे का लीवर प्लेसमेंट कराने , इलाज हेतु विधायक निधि से सहयोग दिलाने, रामनिरंतर व्दिवेदी ग्राम कुडी ने रास्ता दिलाने, सुध्दुसेन यादव ग्राम बडागांव ने पीएम आवास दिलाने संबंधी आवेदन दिया ।

जनसुनवाई में अपर कलेक्टर प्रमोद कुमार सेन गुप्ता, संयुक्त कलेक्टर अमित सिंह, एसडीएम बांधवगढ अंबिकेश प्रताप सिंह,डिप्टी कलेक्टर कमलेश नीरज सहित जिला प्रमुख अधिकारी उपस्थित रहे।

पश्चिम बंगाल, असम, पांडिचेरी में भाजपा की जीत पर पसान में मनाया गया जीत का उत्सव

हरिभूमि न्यूज भालूमाड़ा।

पश्चिम बंगाल, असम एवं पुडुचेरी में भारतीय जनता पार्टी की प्रचंड एवं ऐतिहासिक जीत की खबर मिलते ही पसान मंडल में उत्सव का माहौल बन गया। नगर पालिका परिषद पसान के अध्यक्ष राम अवध सिंह एवं मंडल अध्यक्ष धीरेन्द्र सिंह के नेतृत्व में मंडल के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में एकत्रित हुए और नगर के मजदूर चौक में आतिशबाजी तथा जयकारों के साथ जीत का जश्न मनाया। कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को मिठाई एवं झालमुरी खिलाकर अपनी खुशी का इजहार किया और “भारत माता की जय” व “वंदे मातरम” जैसे नारों से पूरा क्षेत्र गूंज उठा। इस दौरान पूरे मंडल में उत्साह, उमंग और गर्व का माहौल देखने को मिला। नगर पालिका परिषद पसान के अध्यक्ष राम अवध सिंह ने इस जीत को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व, केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं संगठन की मजबूत कार्यशैली का परिणाम बताया। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष राम अवध सिंह, मंडल अध्यक्ष धीरेंद्र सिंह, पूर्व मंडल अध्यक्ष अजय द्विवेदी, वार्ड पार्षद अब्दुल कलाम, दीपक सिंह, इंद्रलाल केवट, भाजपा नेता कल्लू सिंह, जन्मानजय दुबे, डॉक्टर मंडल, लाल बहादुर सिंह, संतोष तिवारी, राजन त्रिपाठी, ननका साहू, तोहिद अहमद, इशहाक अंसारी, लक्ष्मी साहू, महेंद्र सिंह, मंडल मंत्री अभिषेक सिंह विक्की, वसीम अहमद सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी कार्यकर्ता एवं आम लोग उपस्थित रहे। वही पसान मंडल अध्यक्ष धीरेन्द्र सिंह ने कहा कि भाजपा की नीतियों पर जनता का बढ़ता विश्वास ही इस ऐतिहासिक जीत का मुख्य कारण है। पश्चिम बंगाल, असम एवं पुडुचेरी जैसे राज्यों में मिली यह सफलता पार्टी के विस्तार और मजबूती का प्रतीक है। कार्यकर्ताओं ने संकल्प लिया कि वे आने वाले समय में भी संगठन को और सशक्त बनाने तथा सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने के लिए निरंतर कार्य करेंगे।जश्न के दौरान युवाओं, महिलाओं और वरिष्ठ कार्यकर्ताओं की बड़ी भागीदारी देखने को मिली। सभी ने एकजुट होकर पार्टी के प्रति अपनी निष्ठा और समर्पण को दोहराया। कार्यक्रम के अंत में सभी कार्यकर्ताओं ने एक स्वर में पार्टी को और मजबूत बनाने का संकल्प लिया तथा आने वाले चुनावों में भी इसी तरह ऐतिहासिक जीत दिलाने का भरोसा जताया।

मौसम के मिजाज ने दिखाया अपना असर, मौसम में देखने को मिली ठंडक

हरिभूमि न्यूज कोतमा। मौसम के मिजाज ने मंगलवार को भी अपना असर दिखाया। सुबह से ही मौसम में ठंडक देखने को मिली और उसके बाद दोपहर तक कड़ी धूप के कारण लोगों को भीषण गर्मी का एहसास लोगों को परेशान करने लगा। दोपहर बाद आसमान में बादलों की आवाजाही ने लोगों को सुहावना मौसम की उम्मीद जगाई। दोपहर बाद मौसम ने करवटें बदलते हुए आसमान में बादलों की लुका छुपी के साथ ही तेज आंधी तूफान एवं गरज चमक के साथ ठंडी हवाओं से लोगों को राहत मिली दोपहर करीब 2 बजे अचानक मौसम को मिजाज बदल गया आसमान काला हुआ और देखते ही देखते बारिश शुरू हो गई जो दिन भर निरंतर रुक-रुक कर बारिश होती रही बारिश होने के कारण लोगों को गर्मी से राहत मिली और तापमान में गिरावट दर्ज की गई। एक ओर जहां प्रतिदिन मौसम का मिजाज बदल रहा है और बारिश का दौरा निरंतर चल रहा है लोगों को गर्मी से राहत जरूर मिली है लेकिन वही यह मौसमी बीमारियों को न्योता भी दे रही है। तेज आंधी तूफान एवं गरज चमक के कारण कोतमा नगर सहित ग्रामीण एवं कोयलांचल क्षेत्र में विद्युत की आंख मिचौली से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वही शादी विवाह का मुहूर्त होने के कारण भी मौसम के बदले मिजाज से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है सबसे ज्यादा परेशानी खुले आसमान के नीचे शादी विवाह एवं पार्टी करने वाले लोगों को हो रही है।

भाजपा की ऐतिहासिक जीत पर राजनगर मंडल में मनाया गया जश्न

हरिभूमि न्यूज‹राजनगर। नगर परिषद बनगवां (राजनगर) क्षेत्र के भगत सिंह चौक पर सोमवार शाम भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष हीरा सिंह श्याम के आवाहन पर कमलेश चतुर्वेदी मंडल राजनगर द्वारा पश्चिम बंगाल, असम एवं पांडिचेरी में भारतीय जनता पार्टी के ऐतिहासिक विजय के उपलक्ष में विजय उत्सव का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पूरे नगर में उत्साह उमंग और उल्लास का अद्भुत माहौल देखने को मिला। बड़ी संख्या में कार्यकर्ता, पदाधिकारी एवं समर्थकों ने एकत्रित होकर इस जीत का जश्न मनाया। भगत सिंह चौक पर पड़ाके फोड़ कर आतिशबाजी कि। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं ने एक दूसरे को मिठाई खिलाकर गले लगा कर एवं भेल का वितरण कर जीत की खुशियां साझा की। पूरे कार्यक्रम के दौरान सौहाद्र, एकता और एक उत्साह का अद्भुत संगम देखने को मिला। अंत में सभी उपस्थित भाजपा कार्यकर्ता पदाधिकारीयों ने एकजुट होकर संगठन की मजबूती एवं राष्ट्र हित में कार्य करने के लिए संकल्प लिया। भविष्य में इसी प्रकार जन सेवा में तत्पर रहने का विश्वास व्यक्त किया। इस दौरान इस विजय उत्सव पर उपस्थित जनों में आधाराम वैश्य पूर्व जिला अध्यक्ष, धर्मेंद्र सिंह अध्यक्ष पिछड़ा मोर्चा, डॉ. सुनील कुमार चौरसिया अध्यक्ष नगर परिषद डूमरकछार, कमलेश चतुर्वेदी मंडल अध्यक्ष, सचिन द्विवेदी महामंत्री, अरविंद सिंह परिहार, सुनील गुप्ता, तेज बहादुर कुशवाहा, मनीष शुक्ला, प्रमोद शुक्ला, महेश जेठानी, गिरिजा विश्वकर्मा, हरिलाल साकेत, नारायण साहू, सोनू कनौजिया, संगीता माली, भीम जायसवाल, दिनेश चतुर्वेदी, रमेश सिंह, रामनारायण, संजय वर्मा, हसनैन हुसैन, पंकज कुमार शर्मा (मंडल मीडिया प्रभारी) रहे।

खबर संक्षेप

एमपी बोर्ड हाईस्कूल एवं हायर सेकण्डरी की द्वितीय परीक्षा 7 मई से

अनूपपुर। माध्यमिक शिक्षा मण्डल मध्यप्रदेश द्वारा आयोजित हाईस्कूल एवं हायर सेकण्डरी की द्वितीय परीक्षा वर्ष 2026 आगामी 7 मई से प्रारंभ होने जा रही है। कलेक्टर हर्षल पंचोली के मार्गदर्शन में जिले में परीक्षा के सफल एवं शांतिपूर्ण संचालन हेतु सभी आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में माध्यमिक शिक्षा मण्डल द्वारा परीक्षार्थियों के प्रवेश-पत्र के आधिकारिक पोर्टल पद पर अपलोड कर दिए गए हैं। परीक्षार्थी उक्त वेबसाइट पर जाकर अपना प्रवेश-पत्र समय पूर्व डाउनलोड कर सकते हैं। परीक्षा केंद्र पर प्रवेश हेतु यह अनिवार्य दस्तावेज होगा। जिला प्रशासन ने सभी संबंधित अधिकारियों को परीक्षा केंद्रों पर शुचिता एवं अनुशासन बनाए रखने के निर्देश दिए हैं, ताकि परीक्षार्थी निर्बाध रूप से अपनी परीक्षा संपन्न कर सकें।

मेधावी छात्र छात्राओं को किया गया सम्मानित

कटनी। सायना इंटरनेशनल स्कूल में पुरस्कार वितरण समारोह सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के अध्यक्ष प्राचार्य डॉ. आदित्य कुमार शर्मा, हेडमास्टर कमल सरेचा, डॉ लोकेश दुबे एवं समन्वयक श्रीमती रीत मोंगा ने दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ किया। कक्षा पहली से 9वीं एवं 11वीं (सैनिक स्कूल सहित) में कक्षा में प्रथम स्थान एवं विषय विशेष में सर्वोत्तम अंक प्राप्त करने वाले मेधावी विद्यार्थियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। इसमें कक्षा में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया एवं विभिन्न गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए भी पुरस्कार दिए गए।इसी कड़ी में भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा की ओर से कटनी जिले में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले सैनिक छात्र आदर्श राज को प्रशस्ति पत्र एवं नगद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया । साथ ही सायना स्कूल में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र.छात्राओं को भी स्वर्ण पदक, रजत पदक, कांस्य पदक एवं प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया। छात्रों की इस सफलता पर सायना की चेयरपर्सन डॉ. श्रीमती निधि पाठक, सचिव श्रीमती निर्मला सत्येन्द पाठक, विधायक संजय सत्येन्द्र पाठक नें बधाइयाँ दी हैं।

प्रतिमा साहू सम्मानित

कटनी। बड़वारा विकासखंड के ग्राम गणेशपुर की छात्रा प्रतिमा साहू ने मध्य प्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल की कक्षा 10वीं में 98.7% अंक अर्जित कर प्रदेश की टॉप-10 सूची में सातवां स्थान प्राप्त किया है।

आतिशबाजी और 'झाल-मुड़ी' खिलाकर कार्यकर्ताओं ने जताई खुशी

बुढार। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 में भारतीय जनता पार्टी की ऐतिहासिक और प्रचंड जीत का उत्साह मध्य प्रदेश के कोयलांचल क्षेत्र में भी साफ देखने को मिला। अनूपपुर जिले के अमलाई में भाजपा पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने सड़कों पर उतरकर इस जीत का जश्न मनाया और एक-दूसरे को बधाई दी।

दुर्गा मंदिर मार्केट में गूंजे जीत के नारे

अनूपपुर ग्रामीण मंडल के मीडिया प्रभारी अखिलेश सिंह के नेतृत्व में कार्यकर्ता अमलाई के दुर्गा मंदिर मार्केट में एकत्रित हुए। यहाँ ढोल-नगाड़ों की थाप पर कार्यकर्ताओं ने जमकर नृत्य किया और जमकर आतिशबाजी की। बंगाल की संस्कृति का सम्मान करते हुए कार्यकर्ताओं ने विशेष रूप से 'झाल-मुड़ी' और मिठाइयां बांटकर जीत का स्वाद चखा।

परिवर्तन की जीतः अखिलेश सिंह

इस अवसर पर अखिलेश सिंह ने कहा कि बंगाल के रुझान और नतीजे वहां व्याप्त 'जंगलराज' के अंत का प्रतीक हैं। उन्होंने इसे जनता के विश्वास और भाजपा के 'परिवर्तन' के संकल्प की जीत बताया। उन्होंने यह भी कहा कि न केवल बंगाल, बल्कि असम और पुडुचेरी में भी पार्टी का शानदार प्रदर्शन कार्यकर्ताओं के मनोबल को बढ़ाने वाला है।

कार्यकर्ताओं की मेहनत का फल

कार्यक्रम का संचालन कर रहे पार्टी पदाधिकारी अरविंद साहनी ने अपने संबोधन में कहा कि यह जीत उन जमीनी कार्यकर्ताओं की है जिन्होंने हर बाधा को पार करते हुए संगठन को मजबूत किया। वहीं, पूर्व जिला पदाधिकारी संदीप पुरी ने कहा कि 205 से अधिक सीटों पर बढ़त भाजपा के शीर्ष नेतृत्व और नीतियों की स्वीकार्यता को दर्शाती है। उन्होंने इसे ममता बनर्जी के 15 वर्षीय शासन के अंत की शुरुआत बताया।

इनकी रही गरिमामयी उपस्थिति

विजय उत्सव के दौरान संदीप पूरी, सौरभ सिंह, बृजेंद्र मिश्रा, रवि दुबे, विजय तिवारी, सुमित सिंह, सुभाष मिश्रा, मनीष तिवारी, नीरज नामदेव, भूरा दहिया, रमेश वर्मा, संपत, विजय सिंह, अमित शत्रु शाल, उमेश सिंह,आदर्श, बच्चा पान वाला, राजू सेठ और गूंगा भाई सहित सैकड़ों की संख्या में उत्साही कार्यकर्ता मौजूद रहे।

8-9 मई को 'आधार महाभियान': सुबह 8 से शाम 6 बजे तक मिलेंगी सभी सेवाएं

धनपुरी। भारतीय डाक विभाग द्वारा आम नागरिकों को आधार सेवाओं का अधिकतम लाभ देने के उद्देश्य से 8 और 9 मई 2026 को दो दिवसीय 'आधार महाभियान' आयोजित किया जा रहा है। इस संबंध में डाक अधीक्षक शहडोल ने विज्ञप्ति जारी कर जिले व नगरवासियों से अपील की है कि वे अपने नजदीकी आधार केंद्र पहुंचकर आधार से जुड़ी सभी समस्याओं का समाधान कराएं।अभियान के तहत दोनों दिनों में सुबह 8 बजे से शाम 6 बजे तक जिले के सभी डाकघरों एवं चयनित आधार केंद्रों पर सेवाएं लगातार उपलब्ध रहेंगी। उप डाकघरों में भी विशेष व्यवस्था की गई है, ताकि अधिक से अधिक लोगों को एक ही स्थान पर सभी सुविधाएं मिल सकें।

नया नामांकन से लेकर अपडेट तक सब एक ही जगह

इस महाभियान के दौरान नया आधार नामांकन, नाम, पता, मोबाइल नंबर, जन्मतिथि सहित अन्य जानकारियों का अपडेट किया जाएगा। जिन लोगों के आधार में त्रुटियां हैं या जिनका मोबाइल नंबर

लिंक नहीं है, उनके लिए यह विशेष अवसर माना जा रहा है।

ग्रामीण व शहरी दोनों क्षेत्रों को मिलेगा लाभ

डाक विभाग ने विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को ध्यान में रखते हुए उप डाकघरों में भी सेवाएं सुनिश्चित की हैं, ताकि दूर-दराज के नागरिकों को परेशानी न हो। विभाग का कहना है कि इस तरह के शिविर से लंबित कार्यों का त्वरित समाधान संभव होगा।

डाक अधीक्षक की अपील

डाक अधीक्षक ने नागरिकों से आग्रह किया है कि वे निर्धारित तिथियों में अपने नजदीकी डाकघर या आधार केंद्र पहुंचकर इस सुविधा का अधिक से अधिक लाभ उठाएं। उन्होंने कहा कि आधार से जुड़ी छोटी-छोटी समस्याएं भी इस अभियान में तुरंत दूर की जाएंगी, इसलिए समय रहते आवश्यक कार्य जरूर करा लें।

एक्शन में एसडीएम, 5 साल पुराना कब्जा हटाया, मंदिर ट्रस्ट की जमीन हुई मुक्त

उमरिया जिले के बिरसिंहपुर पाली में प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए माता बिरासिनी मंदिर ट्रस्ट की जमीन को अवैध कब्जे से मुक्त कराया है। सोमवार को एसडीएम मीनाक्षी बंजारे के नेतृत्व में हुई इस कार्रवाई से अतिक्रमणकारियों में हड़कंप मच गया है, वहीं आम जनता में प्रशासन की सख्ती की सराहना हो रही है।

जानकारी के अनुसार, वर्ष 2022 में मिथिला अग्रवाल द्वारा मंदिर ट्रस्ट को एक बड़ा हालनुमा भूखंड दान किया गया था। इस महत्वपूर्ण जमीन पर वार्ड क्रमांक 8 निवासी रवींद्र मोटवानी पिछले करीब पांच वर्षों से अवैध रूप से कब्जा जमाए हुए था और उसे दुकान के गोदाम के रूप में उपयोग कर रहा था। प्रशासन द्वारा पूर्व में नोटिस जारी किया गया था, लेकिन कब्जा नहीं हटाए जाने पर सोमवार को टीम मौके पर पहुंची और सख्त कार्रवाई करते हुए परिसर को खाली कराया। इस दौरान गोदाम में रखा भारी मात्रा में सामान भी जब्त कर लिया गया।

बताया जा रहा है कि एसडीएम मीनाक्षी बंजारे बीते कुछ दिनों से लगातार एक्शन मोड में हैं। इससे पहले भी उन्होंने मंदिर ट्रस्ट की दुकानों पर वर्षों से किराया बकाया रखने वाले दुकानदारों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए दुकानों को सील किया था। इस सख्ती का असर यह हुआ कि मात्र दो दिनों के भीतर करीब 12 लाख रुपये की वसूली प्रशासन द्वारा की गई।

इसके अलावा मंदिर परिसर में निर्धारित सीमा से बाहर दुकान लगाने वाले व्यापारियों पर भी कार्रवाई की गई और उनकी दुकानें सील की गईं। प्रशासन का यह अभियान यहीं नहीं रुकने वाला है। हाल ही में पाली नगर के व्यस्त प्रकाश चौराहा से बस स्टैंड और थाना रोड तक लेआउट कर अतिक्रमण चिन्हित किया गया है। अधिकारियों के अनुसार, आने वाले दिनों में यहां भी बड़े पैमाने पर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जाएगी। लगातार हो रही इन कार्रवाइयों से जहां अतिक्रमणकारियों में डर का माहौल है, वहीं आम नागरिक प्रशासन की सक्रियता और सख्ती की खुलकर सराहना कर रहे हैं।

विश्व रेड क्रॉस स्थापना दिवस सेवा सप्ताह के अंतर्गत कार्यक्रम आयोजित

बिरसिंहपुर पाली। शासकीय महाविद्यालय, बिसिंपुरपाली, जिला उमरिया, मध्य प्रदेश में आज दिनांक 4 मई 2025 को अपरान्ह 1 बजे विश्व रेड क्रॉस स्थापना दिवस सेवा सप्ताह के अंतर्गत कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य श्री हरलाल अहिरवार ने किया, जिन्होंने सेवा और मानवता के महत्व पर जोर दिया। राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक, डॉ. शाहिद ए. सिद्दिकी ने बताया कि यह दिन हमारे समाज में सहयोग और सेवा की भावना को जगाता है। कार्यक्रम प्रभारी, डॉ. मनीशा अग्रवाल ने नशक्तजन की सेवा, जिसमें वृद्धजनों की देखभाल, विशेष रूप से प्राथमिक चिकित्सा का प्रशिक्षण और नशा मुक्ति अभियान पर प्रकाश डाला। डॉ. गंगाधर धोके ने बताया कि CPR प्रशिक्षण ने छात्रों को जीवन बचाने की महत्वपूर्ण क्षमता दी। श्री बालेन्द्री यादव ने कहा कि इन छोटी-छोटी सेवाओं से समाज में जागरूकता बढ़ती है और युवाओं में जिम्मेदारी का विकास होता है। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं भी उपस्थित थीं। यह कार्यक्रम रेड क्रॉस की सेवा भावना को नई ऊंचाइयों तक ले गया।

भाजपा मंडल अध्यक्ष ने प्रकाश चौराहे पर बांटी खुशियाँ, किया मुंह मीठा

बिरसिंहपुर पाली। भारतीय जनता पार्टी की पश्चिम बंगाल, असम एवं पांडुचेरी में भाजपा एवं एन डी ए की हुई ऐतिहासिक जीत पर पाली मंडल की अध्यक्ष श्रीमती राधा विजय तिवारी के नेतृत्व में भाजपा के कार्यकत्ताओं और पदाधिकारियों ने खुलकर खुशियों का इजहार किया गया , इस खुशी में पटाखे फोडे गयें और मिठाई खिलाते हुए एक दुसरे के गले मिले। भाजपा जिंदा वाद के जयघोष से नगर गूजांयमान हो गया। पश्चिम बंगाल में जीत की खुशी ने भाजपा की मुंह मांगी मुराद पूरी कर दी है, जिससे पूरे देश में भाजपा में उत्साह बना हुआ, जिसकी झलक पाली में भी भरपूर देखने को मिली, जब भाजपा कार्यकर्ताओं ने भाजपा ध्वज को लेकर, पटाखे फोड़ कर, मिठाईयाँ खिला कर पूरे क्षेत्र को संदेश दिया की यह जीत भाजपा नेतृत्व के कुशल राजनीति की जीत के साथ ही भाजपा के राष्ट निर्माण की परिकल्पना की जीत है।यह जीत नक्सल वाद, अलगाव वाद और घुसपैठियों के विरुद्ध जीत है। इस जश्न कार्यक्रम में वरिष्ठ नेता सरजू प्रसाद अग्रवाल, केसरी नाथ अग्रवाल, भरत प्रजापति, विमल अग्रवाल, अजय मिश्रा, समय लाल साहू, कौशल यादव, सुरेश विश्वकर्मा, प्रमोद साहू, कामता विश्वकर्मा, देवी सिंह, भोला तिवारी,विजय तिवारी, राज कुमार खरे, राजा दास जैसे सक्रिय भाजपा नेताओं की उपस्थिति में संपन्न हुआ।

ग्राम पंचायत चापा में भ्रष्टाचार का तांडव

सरपंच ने लोकतंत्र को बनाया बंधक, बिना बैठक डकारे लाखों रुपये

शहडोल। जिले की जनपद पंचायत सोहागपुर के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत चांपा इन दिनों विकास के लिए नहीं, बल्कि भ्रष्टाचार के नए कीर्तिमान रचने के कारण चर्चा में है। यहां की सरपंच श्रीमती उमा सिंह पर पद के दुरुपयोग और वित्तीय अनियमितताओं के इतने गंभीर आरोप लगे हैं कि प्रशासन की कार्यप्रणाली पर ही सवालिया निशान खड़ा हो गया है। उप सरपंच आरवेन्द्र सिंह ने संभाग आयुक्त को सौंपे गए एक शिकायती पत्र में सरपंच के काले कारनामों का कच्चा चि_ा खोलते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की है।

न बैठक, न प्रस्ताव—बस होता रहा अवैध भुगतान

शिकायत में सबसे चौंकाने वाला खुलासा यह हुआ है कि वर्ष 2022-23 से अब तक सरपंच द्वारा ग्राम पंचायत की सामान्य सभा की एक भी बैठक आयोजित नहीं की गई। नियमों की धज्जियाँ उड़ाते हुए बिना किसी प्रस्ताव के सरकारी खजाने से लगातार मनमाना भुगतान किया गया, जो सीधे तौर पर मध्य प्रदेश ग्राम पंचायत (लेखा) अधिनियम 1999 का खुला उल्लंघन है।

फर्नीचर विक्रेता से खरीदी कचरा गाड़ी!

भ्रष्टाचार की हद तो तब हो गई जब वर्ष 2026-27 में सरपंच ने पूर्वा एंटरप्राइजेज नामक एक फर्नीचर विक्रेता से 2,62,500 रुपये की कचरा गाड़ी खरीद ली। सवाल यह उठता है कि क्या फर्नीचर बेचने वाली फर्म ऑटोमोबाइल का काम करने लगी है? बिना किसी पंचायत प्रस्ताव के अनाधिकृत विक्रेता से उच्च दरों पर की गई यह खरीदी बड़े कमीशन के खेल की ओर इशारा कर रही है।

बिना मूल्यांकन और बिना काम के उड़ाए लाखों

पोर्टल की ऑनलाइन रिपोर्ट ने सरपंच के दावों की हवा निकाल दी है। आरोप है कि नल जल कार्य के नाम पर ऊषा इलेक्ट्रिकल को 4,27,052 रुपये का भुगतान बिना किसी तकनीकी मूल्यांकन के कर दिया गया। इतना ही नहीं, वर्ष 2024-25 में इसी कार्य के लिए ऊषा इलेक्ट्रिकल और यूनिक कलेक्शन को बिना किसी काम के 1,09,880 रुपये का भुगतान कर दिया गया।

नगद वापसी का कमीशन मॉडल

शिकायतकर्ता उप सरपंच ने आरोप लगाया है कि सरपंच द्वारा ऐसे कई वेंडरों को भुगतान किया गया है जो अधिकृत ही नहीं हैं। आरोप है कि बिलों का भुगतान करने के बाद इन विक्रेताओं से राशि वापस नगद के रूप में प्राप्त कर ली जाती है। यह सीधे तौर पर सरकारी धन की डकैती है। अब गेंद प्रशासन के पाले में है। क्या संभाग आयुक्त महोदय इस भ्रष्टाचार की गंगा पर लगाम लगाएंगे या फिर संरक्षण देने वाले अधिकारियों के साये में यह लूट यूँ ही जारी रहेगी? ग्रामीण अब जांच और ठोस कार्रवाई का इंतजार कर रहे हैं।

सरकारी जमीन पर कब्जे का खेल

आम रास्ता बंद, मोहल्लेवासी बेहाल, प्रशासन मौन!

शहडोल। शहर के सोहागपुर वार्ड क्रमांक-2 में प्रशासन की लापरवाही और दबंगई का चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां एक शासकीय भूमि पर अवैध कब्जा कर आम रास्ते को बेरहमी से बंद कर दिया गया है। कमला स्कूल के सामने से नदी और श्मशान घाट जाने वाला यह प्रमुख मार्ग अब तार फेंसिंग और अवैध अतिक्रमण की भेंट चढ़ चुका है, जिससे स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश व्याप्त है।

जानकारी के अनुसार खसरा नंबर 1021 और 1022 की सरकारी जमीन, जो वर्षों से आम आवागमन के लिए उपयोग में थी, उसे एक प्रभावशाली परिवार द्वारा कब्जा कर लिया गया है। आरोप है कि संबंधित महिला, जो एक शासकीय शिक्षक की पत्नी बताई जा रही हैं, ने अपने रसूख का इस्तेमाल कर रास्ते को बंद करा दिया है। नतीजा यह है कि अब न केवल मोहल्लेवासी बल्कि अंतिम संस्कार के लिए श्मशान जाने वाले लोगों को भी भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

स्थानीय निवासियों का कहना है कि कई बार विनम्रतापूर्वक रास्ता खोलने की गुहार लगाई गई, लेकिन हर बार उन्हें अपमानित कर भगा दिया गया। इतना ही नहीं, शिकायत करने पर झूठे मामलों में फंसाने और महिला होने का फायदा उठाकर धमकाने तक की बात सामने आई है। इससे लोगों में डर और असुरक्षा का माहौल बन गया है।

सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि इतने गंभीर मामले के बावजूद प्रशासन पूरी तरह से चुप्पी साधे हुए है। न तो कोई जांच हुई और न ही अतिक्रमण हटाने की कोई कार्रवाई की गई। सवाल उठता है कि क्या आम जनता की परेशानियां अब किसी की प्राथमिकता नहीं रहीं? क्या सरकारी जमीन पर कब्जा करना इतना आसान हो गया है?

मोहल्लेवासियों ने अब एकजुट होकर कलेक्टर और कमिश्नर से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। उनका साफ कहना है कि अगर जल्द ही रास्ता बहाल नहीं किया गया तो वे उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। यह मामला प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करता है। अब देखना यह है कि जिम्मेदार अधिकारी कब जागते हैं और आम जनता को राहत दिलाने के लिए ठोस कदम उठाते हैं, या फिर यह मुद्दा भी फाइलों में दफन होकर रह जाएगा।

हज यात्रा पर रवाना हुए शेख इमरान सिद्दीकी, स्टेशन पर उमड़ा जनसैलाब

शहडोल। धर्म और सेवा की त्रिवेणी जब एक साथ मिलती है, तो दृश्य अद्भुत होता है। कुछ ऐसा ही नजारा शहडोल रेलवे स्टेशन पर देखने को मिला, जब जिले के चहेते कर्मचारी नेता और सेवानिवृत्त सीईओ शेख इमरान सिद्दीकी अपनी मुकद्दस हज यात्रा के लिए रवाना हुए। उन्हें विदा करने के लिए मजहब की दीवारें टूट गईं और हिंदू-मुस्लिम भाइयों ने मिलकर हाजी साहब को फूल-मालाओं से लाद दिया।

मजहब के पांचवे स्तंभ की ओर बढ़ते कदम

इस्लाम में हज केवल एक यात्रा नहीं, बल्कि रूहानी पाकीजगी का वह जरिया है जिसे हर सामथ्यवान मुसलमान के लिए अनिवार्य बताया गया है। ईमान, नमाज, रोजा और जकात के बाद हज वह मुकाम है जहां बंदा अल्लाह के करीब जाकर अपने गुनाहों की माफी मांगता है और पैगंबर इब्राहिम की परंपराओं को जीवंत करता है। इसी आध्यात्मिक शुद्धि के संकल्प के साथ शेख इमरान सिद्दीकी अपनी धर्मपत्नी शबनम बानो, समधी मुख्तार खान एवं आयशा खान के साथ मक्का (सऊदी अरब) के लिए रवाना हुए हैं।

स्टेशन पर उमड़ा दुआओं का समंदर

शेख इमरान सिद्दीकी के मिलनसार व्यक्तित्व का जादू ही था कि उन्हें विदा करने स्टेशन पर सैकड़ों की तादाद में लोग पहुंचे। विदाई के ये पल भावुक कर देने वाले थे। उन्हें विदा करने वालों में कर्मचारी नेता ओपी गुप्ता, पीसी गुप्ता, कांग्रेस नेता रविंद्र तिवारी, भाजपा नेता योगेंद्र चतुर्वेदी, संघ कार्यकर्ता नरेंद्र गोस्वामी, धर्मेंद्र श्रीवास्तव, विकास चौबे और अधिवक्ता मोहम्मद यूसुफ सहित भारी संख्या में गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

गंगा-जमुनी तहजीब की दिखी मिसाल

व्यापारी, कर्मचारी और राजनेताओं के इस संगम ने साबित कर दिया कि शेख इमरान सिद्दीकी केवल एक अधिकारी नहीं बल्कि जन-जन के प्रिय हैं। पूर्व पार्षद कमरून निशा, एजाज असगर और हबीब हाफिज जैसे कई चेहरों ने उनकी यात्रा के मंगलमय होने की दुआ की। उनके पुत्र और पुत्रवधू उन्हें मुंबई तक छोडने गए हैं, जहाँ से यह काफिला अल्लाह की बारगाह में हाजिरी लगाने उड़ेगा।

खबर संक्षेप

यात्री एवं मालयान वाहनों के विरुद्ध चलाया गया चेकिंग अभियान

अनूपपुर। परिवहन आयुक्त मध्यप्रदेश तथा कलेक्टर हर्षल पंचोली द्वारा यात्री एवं मालयान वाहनों के विरुद्ध चेकिंग अभियान चलाए जाने के आदेश जारी किए गए हैं। जिसके पालन में जिला परिवहन अधिकारी अनूपपुर सुरेन्द्र सिंह गौतम द्वारा जैतहरी रोड पर कार्यवाही की गई एवं जांच के दौरान वाहनों के नंबर प्लेट, परमिट, फिटनेस, बीमा, पीयूसी, अग्निशमन यंत्र, ड्राइवर लाइसेंस, मेडिकल किट, एचएसआरपी, नंबर प्लेट आदि की जांच की गई। इस कार्यवाही के दौरान 60 वाहनों की चेकिंग की गई। उनमें से 8 वाहनों से दस्तावेज नहीं पाए जाने पर शमन शुल्क 19000 रुपये वसूल किया गया। वाहन चालकों को निर्देशित किया गया कि वैध दस्तावेज होने पर ही वाहन संचालित करें एवं एचएसआरपी, नंबर प्लेट लगाकर ही वाहन का संचालन करें। अवैध रूप से संचालित पिकअप वाहन चालकों को निर्देशित किया गया कि पिकअप में सवारी ना बैठाई जाए तथा बीमा होने पर ही वाहन का संचालन करें। वाहनों के विरुद्ध चेकिंग कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी।

अनूपपुर, राजेन्द्रग्राम, कोतमा मे होगा नेशनल लोक अदालत का आयोजन

अनूपपुर। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष श्रीमती माया विश्वलाल के निर्देशानुसार 09 मई को वर्ष की द्वितीय नेशनल लोक अदालत का आयोजन जिला न्यायालय अनूपपुर के साथ-साथ तहसील न्यायालय राजेन्द्रग्राम एवं कोतमा में किया जावेगा। इस नेशनल लोक अदालत में न्यायालयों में लंबित राजीनामा योग्य आपराधिक, शिविर, धारा-138 एनआईएक्ट के चेक बाउंस प्रकरण, मोटर दुर्घटना दावा प्रकरण, पारिवारिक प्रकरण, श्रम प्रकरण, विद्युत चोरी के प्रकरण तथा बैंक, नगरपालिका, एवं विद्युत विभाग के प्री-लीटिगेशन प्रकरणो का निराकरण आपसी सुलह एवं समझौते के आधार पर किया जावेगा। नेशनल लोक अदालत को-आर्डिनेटर/नोडल अधिकारी, नरेन्द्र पटेल जिला न्यायाधीश द्वारा बताया गया कि 09 मई को आयोजित नेशनल लोक अदालत में विद्युत के प्रकरणों के निराकरण करने पर शासन द्वारा सिविल दायित्व में 30 प्रतिशत की छूट दी जावेगी। सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अनूपपुर, रावेन्द्र कुमार सोनी द्वारा पक्षकार, अभिभाषकगण तथा आमजन से आह्वान किया है, कि न्यायालय में लंबित एवं प्री-लीटिगेशन प्रकरणों को आपसी सुलह एवं समझौते के आधार पर निराकरण करवाकर शीघ्र एवं सुलभ न्याय प्राप्त करें।

अयोध्या-वाराणसी (काशी) की तीर्थ यात्रा के आवेदन की अंतिम तिथि 17 जुलाई

अनूपपुर। मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के अंतर्गत 31 जुलाई से 5 अगस्त 2026 तक अनूपपुर जिले के 60 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों को अयोध्या-वाराणसी (काशी) की तीर्थ यात्रा कराई जाएगी। अयोध्या-वाराणसी (काशी) की तीर्थ यात्रा के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 17 जुलाई है। आवेदन पत्र विभागीय वेबसाइट से डाउनलोड किए जा सकते हैं। निर्धारित कोटे से अधिक आवेदन प्राप्त होने की स्थिति में पात्र आवेदकों का चयन कम्प्यूटरीकृत लॉटरी के माध्यम से किया जाएगा। योजना के अंतर्गत 65 वर्ष से अधिक आयु के ऐसे व्यक्ति, जो अकेले यात्रा करने के लिए आवेदन करते हैं, उन्हें एक सहायक साथ ले जाने की पात्रता होगी।

जेएमएस कंपनी के खिलाफ फूटा मजदूरों का गुस्सा

शोषण और भेदभाव के आरोपों के बीच 7 दिन का अल्टीमेटम

अनूपपुर/कोतमा। कोतमा क्षेत्र में संचालित जेएमएस कंपनी के खिलाफ मजदूरों और किसानों का आक्रोश सोमवार को सड़कों पर खुलकर सामने आया। सैकड़ों की संख्या में एकत्रित प्रदर्शनकारियों ने कंपनी प्रबंधन पर वादाखिलाफी, भेदभावपूर्ण रवैया और श्रम कानूनों के उल्लंघन के गंभीर आरोप लगाए। नारेबाजी और विरोध प्रदर्शन के बीच मजदूरों ने स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि सात दिनों के भीतर उनकी लंबित मांगों पर ठोस कार्रवाई नहीं हुई, तो वे कंपनी का उत्पादन ठप्प कर उग्र आंदोलन करने से पीछे नहीं हटेंगे। जनपद पंचायत कोतमा क्षेत्र में संचालित जेएमएस कंपनी एक बार फिर विवादों के घेरे में आ गई है। सोमवार की दोपहर कंपनी परिसर के बाहर उस समय तनावपूर्ण स्थिति निर्मित हो गई, जब स्थानीय मजदूरों और किसानों ने अपने अधिकारों को लेकर जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि कंपनी प्रबंधन लंबे समय से स्थानीय कर्मचारियों के साथ भेदभावपूर्ण व्यवहार कर रहा है और श्रम कानूनों का खुलेआम उल्लंघन कर रहा है। मजदूरों का कहना है कि जिन जमीनों पर कंपनी संचालित हो रही है, वे उन्हीं के गांवों की हैं, इसके बावजूद उन्हें उचित रोजगार और सुविधाएं नहीं दी जा रही हैं। बाहरी कर्मचारियों को प्राथमिकता, अधिक वेतन और बेहतर सुविधाएं मिलने से स्थानीय श्रमिक खुद को उपेक्षित महसूस कर रहे हैं। प्रदर्शन के दौरान मजदूरों ने एकजुटता दिखाते हुए अपनी मांगों को लेकर स्पष्ट रुख अपनाया और चेतावनी दी कि यदि समयसीमा के भीतर न्याय नहीं मिला, तो आंदोलन और अधिक उग्र रूप ले सकता है। हालांकि कंपनी प्रबंधन ने सात दिनों के भीतर मांगों पर विचार कर कार्रवाई का आश्वासन दिया है, लेकिन स्थिति अभी भी संवेदनशील बनी हुई है।

मजदूरों का उग्र प्रदर्शन, सड़कों पर उतरा आक्रोश

सोमवार की दोपहर कोतमा क्षेत्र में उस समय माहौल गरमा गया जब सैकड़ों मजदूर और किसान जेएमएस कंपनी के खिलाफ सड़कों पर उतर आए। प्रदर्शनकारियों ने हाथों में तख्तियां लेकर

कंपनी प्रबंधन के खिलाफ नारेबाजी की और अपनी मांगों को लेकर जोरदार विरोध जताया। मजदूरों का कहना था कि वे लंबे समय से अपनी समस्याओं को लेकर आवाज उठा रहे हैं, लेकिन उनकी बातों को अनदेखा किया जा रहा है। इस कारण उन्हें मजबूर होकर आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ा। प्रदर्शन शांतिपूर्ण रहा, लेकिन आक्रोश साफ तौर पर देखा जा सकता था। भेदभावपूर्ण नीति से नाराज स्थानीय कर्मचारी

प्रदर्शन का मुख्य कारण कंपनी की कथित भेदभावपूर्ण नीति बताई जा रही है। मजदूरों का आरोप है कि कंपनी बाहरी कर्मचारियों को अधिक वेतन, बोनस और अन्य सुविधाएं प्रदान कर रही है, जबकि स्थानीय कर्मचारियों को न्यूनतम वेतन और सीमित सुविधाओं तक ही सीमित रखा गया है। इससे स्थानीय युवाओं में असंतोष बढ़ता जा रहा है। उनका कहना है कि समान कार्य के बावजूद असमान वेतन दिया जाना न केवल अन्यायपूर्ण है, बल्कि यह श्रम कानूनों का भी उल्लंघन है। इस भेदभाव ने कर्मचारियों के मनोबल को प्रभावित किया है।

नौकरी से निकालने की धमकी, दमनकारी रवैये के आरोप

मजदूरों ने कंपनी प्रबंधन पर दमनकारी नीति अपनाने का भी आरोप लगाया है। उनका कहना है कि जब भी वे अपने अधिकारों की बात करते हैं, तो उन्हें नौकरी से निकालने की धमकी दी जाती है। कई कर्मचारियों को नोटिस देकर डराने का प्रयास किया गया है, जिससे वे अपनी मांगों को उठाने से पीछे हट जाएं। मजदूरों के अनुसार यह रवैया पूरी तरह असंवैधानिक और अमानवीय है। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि ऐसे मामलों की जांच कर दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि श्रमिकों को न्याय मिल सके।

प्रमुख मांगें, समान वेतन और स्थानीयों को प्राथमिकता

प्रदर्शन कर रहे मजदूरों ने अपनी मांगों को स्पष्ट रूप से सामने रखा। उनकी प्रमुख मांगों में समान कार्य के लिए समान वेतन लागू करना, स्थानीय कर्मचारियों को रोजगार में प्राथमिकता देना, बोनस और अन्य सुविधाओं में समानता सुनिश्चित करना तथा अनावश्यक रूप से दिए जा रहे नोटिस और उत्पीड़न पर रोक लगाना शामिल है। मजदूरों का कहना है कि ये सभी मांगें जायज और संवैधानिक अधिकारों के तहत आती हैं। यदि इन्हें नजरअंदाज किया गया, तो यह न केवल सामाजिक असंतोष को बढ़ाएगा, बल्कि क्षेत्रीय विकास को भी प्रभावित करेगा।

सात दिन का अल्टीमेटम, आंदोलन तेज करने की चेतावनी

प्रदर्शन के दौरान कंपनी प्रबंधन ने मजदूरों को सात दिनों के भीतर उनकी मांगों पर विचार कर कार्रवाई करने का आश्वासन दिया। हालांकि मजदूर इस आश्वासन से पूरी तरह संतुष्ट नजर नहीं आए और उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि तय समय सीमा में ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो वे आंदोलन को और तेज करेंगे। मजदूरों ने कहा कि जरूरत पड़ने पर वे कंपनी का उत्पादन ठप्प कर देंगे और बड़े स्तर पर आंदोलन करेंगे। फिलहाल सभी की नजरें अगले सात दिनों पर टिकी हैं, जो इस विवाद का रुख तय करेंगे।

गांजा रखने वाले आरोपियों को 4 साल का कारावास एवं 25 हजार रुपये का जुर्माना

अनूपपुर। लोक अभियोजक पुष्पेन्द्र कुमार मिश्रा द्वारा बताया गया कि आरोपियो के उपर घटना दिनांक 30.12.2020 को करीब 024:00 बजे थाना भालूमाड़ा अंतर्गत ग्राम-रक्सा में गोड़ास झुटकू नदी पुल के पास सिल्वर कलर की स्विफ्ट डिजायर कार, रजि0 नं0 सीजी-08 एएफ-4977 में अभियुक्तगण गोविंद नारायण शुक्ला एवं मो0 फईम के द्वारा अपने सचेत एवं जागृत कब्जे में अवैध मादक पदार्थ गांजा कुल 09 किलो 700 ग्राम रखकर परिवहन कर रहे थे, जो स्वापक औषधि मनः प्रभावि पदार्थ अधिनियम 1985 की धारा-8 के अंतर्गत जारी अधिसूचना कं0 एस0ओ0 390(इ) दिनांक 30.05.1989 का उलंघन है और जारी अधिसूचना क्रं0 एस0ओ0 1055(इ) दिनांक 19.10.2001 के अनुसार उक्त मादक पदार्थ गांजा, जो वाणिज्यिक मात्रा से कम, किन्तु अल्प मात्रा से अधिक था और अभियुक्तगण ने उक्त प्रश्नगत वाहन में एक अवैध एवं प्रतिबंधत श्रेणी का आग्नेय अस्त्र देशी कट्टा 315 बोर का एवं 3 नग कारतूस बिना किसी गैर अनुज्ञप्ति के अपने कब्जे में अवैध रूप से

रखने का अपराध कारित करने का आरोप है। दिनांक 30.12.2020 को समय 14:30 बजे कार्यवाहीकर्ता अधिकारी को मुखबिर सूचना प्राप्त हुई कि रक्सा रोड तरफ एक स्विफट डिजायर कार न0 सीजी-08 एएफ-4977 से कुछ लोग फुनगा तरफ आने वाले हैं। उक्त सूचना की रिपोर्ट रो0सा0क्रं0 570 में दर्ज की गई। आरोपियो के पास अवैध मादक पदार्थ गांजा 09 किलो 700 ग्राम होना पाया गया। अपराध के संबंध में प्रथम सूचना रिपोर्ट अपराध क्र0 206/2020 धारा 8/20 एन0डी0पी0एस0 एक्ट के अंतर्गत लेखबद्ध की गई। मामले में पुलिस की ओर से न्यायालय में संपूर्ण विवेचना के उपरांत अंतिम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। प्रथम अपर सत्र न्यायाधीश नरेन्द्र पटेल कें न्यायालय में सुनवाई की गयी जिसमें शासन की ओर से लोक अभियोजक पुष्पेन्द्र कुमार मिश्रा ने 16 साक्षियों के साक्ष्य कराये और 56 दस्तावेजों को परीक्षत कराया गया। साक्ष्य एवं विचारण उपरांत शासन की ओर से पैरवी कर रहे लोक अभियोजक पुष्पेन्द्र कुमार मिश्रा द्वारा रखे गए तर्कों और बहस तथा मामले की गम्भीरता एवं परिस्थितियों को देखते हुए आरोपी मो0 फईम पिता शहीद उप्र-30 वर्ष निवासी-ग्राम आमा, थाना-शाहनगर, जिला पन्ना एवं गोविन्द नारायण शुक्ला पिता शिवनारायण उम्र-53 वर्ष निवासी-ग्राम गोरसी, थाना-जैतहरी, जिला अनूपपुर को भारतीय दण्ड संहिता 1885 की धारा 20(बी)(पप)(बी) में दोषी पाते हुए दोषसिद्ध ठहराया गया जिसमें आरोपी को 04 साल का कारावास एवं 25,000/-रू0 जुर्माना से दंडित किया गया। आरोपी को निर्णय उपरान्त न्यायायिक अभिरक्षा में जिला जेल अनूपपुर भेज दिया गया।

ज्येष्ठ की तपन पर बादलों की जीत

अमरकंटक में मौसम हुआ सुहावना, ठंडी हवाओं से बढ़ी सिहरन

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक। मध्य प्रदेश की पावन तीर्थ नगरी अमरकंटक में मंगलवार 5 मई को मौसम ने ऐसा रंग बदला कि ज्येष्ठ माह की तपन मानो बादलों के आगे परास्त हो गई। सुबह से ही आसमान पर काले घने बादलों ने डेरा डाल दिया, जिससे पूरे दिन सूर्य की तपिश कमजोर पड़ती नजर आई। सुबह लगभग 10 से 11 बजे के बीच कुछ समय के लिए सूर्य देव के दर्शन अवश्य हुए, लेकिन इसके बाद बादलों की आवाजाही पूरे दिन जारी रही। दोपहर बाद तेज आंधी-तूफान जैसे हालात बने, वहीं शाम होते-होते ठंडी हवाओं ने वातावरण को पूरी तरह शीतल बना दिया। शाम करीब 4 बजे से चली ठंडी हवाओं ने मौसम को इस कदर बदल दिया कि लोगों को मई माह में भी सर्दी जैसा अहसास होने लगा। मौसम विभाग के अनुसार दिन का अधिकतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 17 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। दिन और रात के तापमान में 10 डिग्री का अंतर इस अचानक बदलाव की पुष्टि करता है। वहीं वायु गुणवत्ता सूचकांक 52 रहा, जो स्वच्छ और स्वास्थ्य के लिए अनुकूल वातावरण को दर्शाता है। जहां एक ओर इस ठंडक ने लोगों को भीषण गर्मी से राहत दी है, वहीं स्वास्थ्य विशेषज्ञ तापमान में इस प्रकार के उतार-चढ़ाव को सर्दी, जुकाम और वायरल संक्रमण की दृष्टि से चिंताजनक भी मान रहे हैं। बाहरी राज्यों से आए पर्यटक भी इस बदले मौसम से हैरान नजर आए। जामनगर और राजकोट से आए श्रद्धालुओं ने बताया कि उन्हें यहां उम्मीद से अधिक ठंड महसूस हो रही है और गर्म कपड़ों की आवश्यकता पड़ रही है। नागपुर से आए प्रेमचंद देवल्शी ने बताया कि जहां उनके शहर में तापमान 45 डिग्री के आसपास है, वहीं अमरकंटक का मौसम उन्हें ठंडक का एहसास करा रहा है। इसी तरह जबलपुर से आए सरदार परमजीत सिंह ने कहा कि अमरकंटक की जलवायु सदैव आसपास के क्षेत्रों से भिन्न और अधिक शीतल रहती है, जो इसकी विशेष पहचान है। वहीं कोतमा से आई तीन महिलाएं नर्मदा मंदिर के सामने शॉल ओढ़े ठंड से बचती नजर आईं। उन्होंने बताया कि वे कटारे धर्मशाला में ठहरी हैं, लेकिन अचानक बढ़ी ठंड के कारण कंबल और गर्म वस्त्रों की आवश्यकता महसूस हो रही है। कुल मिलाकर, अमरकंटक में मौसम के इस अप्रत्याशित बदलाव ने जहां लोगों को गर्मी से राहत दी है, वहीं मई-ज्येष्ठ माह में भी सिहरन का एहसास कराते हुए इस तीर्थ नगरी की विशिष्ट जलवायु को एक बार फिर उजागर कर दिया है।

रक्तदान महादान, शिव मारुति युवा संगठन का संकल्प, हर जरूरतमंद तक पहुंचे जीवन की धारा

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। सामाजिक सेवा के क्षेत्र में निरंतर सक्रिय शिव मारुति युवा संगठन द्वारा अपने स्थापना दिवस के अवसर पर 8 मई शुक्रवार को श्री शिव मारुति मंदिर, सामतपुर (अनूपपुर) परिसर में एक विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन न केवल सेवा भावना का प्रतीक है, बल्कि समाज में मानवता और सहयोग की भावना को सशक्त करने की एक सार्थक पहल भी है। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य जरूरतमंद मरीजों के लिए समय पर रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करना तथा आमजन, विशेषकर युवाओं में रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। संगठन के सदस्यों ने क्षेत्र के सभी युवाओं एवं नागरिकों से इस पुनीत कार्य में बढ़-चढ़कर सहभागिता करने की अपील की है, ताकि अधिक से अधिक लोगों का जीवन बचाया जा सके। कार्यक्रम स्थल पर रक्तदाताओं की सुविधा के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। साथ ही, रक्तदान करने वाले सभी दानदाताओं को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित भी किया जाएगा, जिससे उनके इस मानवीय योगदान को प्रोत्साहन मिल सके। संगठन के पदाधिकारियों ने कहा कि "रक्तदान महादान है", क्योंकि एक यूनिट रक्त किसी जरूरतमंद के लिए जीवन और मृत्यु के बीच का अंतर साबित हो सकता है। उन्होंने समाज के प्रत्येक वर्ग से आह्वान किया कि वे इस नेक पहल का हिस्सा बनें और मानवता की सेवा में अपना योगदान दें। यह आयोजन न केवल जरूरतमंदों के लिए जीवनदायी साबित होगा, बल्कि समाज में सेवा, समर्पण और जागरूकता का एक मजबूत संदेश भी देगा।

हाथियों के समूह से सुरक्षित रहना पहला उद्देश्य-रेंजर मिश्रा

हाथियों द्वारा किए जा रहे नुकसान का राजस्व विभाग करेगा भरपाई-तहसीलदार तिवारी

आने वाले समय में ग्रामीणो को हाथियों के साथ जीना सीखना होगा-शशिधर

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। अनूपपुर जिले के वन परिक्षेत्र जैतहरी अंतर्गत बीट चोलना अंतर्गत ग्राम पंचायत भवन पडरिया में सोमवार को हाथियों द्वारा की जा रही फसल हानि एवं मकान क्षति के संबंध में समाधान शिविर का आयोजन वन एवं राजस्व विभाग के संयुक्त रुप से आयोजित किया गया। उक्त समाधान शिविर में तहसीलदार जैतहरी रमाकांत तिवारी, वन परिक्षेत्राधिकारी जैतहरी विवेक मिश्रा, वन्यजीव संरक्षक शशिधर अग्रवाल, गाम पंचायत पड़रिया सरपंच भूपेन्द सिंह, परिक्षेत्र सहायक वेंकटनगर संतोष श्रीवास्तव, सचिव सुरेश शर्मा, पूर्व सचिव रमाकांत तिवारी, हल्का पटवारी रवि चढेर, वनरक्षक तथा भारी संख्या मे ग्रामवासी उपस्थित रहे। शिविर के दौरान वन परिक्षेत्राधिकारी जैतहरी विवेक मिश्रा द्वारा ग्रामवासियों को हाथी विचरण के समय अपनाई जाने वाली आवश्यक सावधानियों के संबंध में जानकारी दी गई, जिसमें प्रमुख रूप से हाथियों से कम से कम 100 मीटर की दूरी बनाए रखना, रात्रि में हाथियों का विचरण होने

पर अनावश्यक रूप से घर से बाहर न निकलना, जंगल एवं गांव की आबादी दूर खेत में कच्चा मकान बना कर निवासरत व्यक्तियों को सुरक्षित स्थान, पक्के मकानों में अस्थायी रूप से स्थानांतरित होना, हाथियों को आकर्षित करने वाली सामग्री जैसे महुआ, शराब, धान आदि को खुले में न रखना, खाद्य सामग्री वाले कक्ष में रात्रि विश्राम न करना, "गजरक्षक" ऐप के उपयोग के संबंध में जानकारी देना एवं उपस्थित ग्रामीणों के मोबाइल नंबर ऐप में पंजीकृत करना, जिससे हाथी विचरण के समय समयपूर्व सूचना प्रदान की जा सके। साथ ही यह भी बताया गया कि रात्रि में हाथी विचरण के दौरान प्रायः यह देखा जाता है कि कुछ ग्रामीण हाथियों के अत्यंत समीप पहुंच जाते हैं, जिससे अनहोनी की संभावना बढ़ जाती है जिस पर ग्रामीणों से इस प्रकार की गतिविधियों से बचें एवं सुरक्षित दूरी बनाए रखें। तहसीलदार जैतहरी रमाकांत तिवारी द्वारा हाथियों के विचरण से होने वाली फसल हानि एवं मकान क्षति के संबंध में शासन द्वारा निर्धारित मुआवजा प्रक्रिया की जानकारी दी गई तथा लंबित प्रकरणों के शीघ्र निराकरण एवं भुगतान का आश्वासन दिया गया।

वन्यजीव संरक्षक शशिधर अग्रवाल द्वारा ग्रामीणों को हाथी-मानव सहअस्तित्व के संबंध में जानकारी देते हुए हाथियों के साथ सुरक्षित रूप से रहने की आदत विकसित करने पर बल दिया गया। साथ ही उन्होंने यह भी आश्वस्त किया कि हाथियों द्वारा की जा रही नुकसानी के अनुपात में मुआवजा राशि बढ़ाए जाने के संबंध में जनप्रतिनिधियों एवं जिले के अधिकारियों के माध्यम से शासन स्तर पर बात रखी जाएगी। शिविर के दौरान ग्रामीणों द्वारा हाथियों से हो रही नुकसानी के संबंध में अपनी समस्याएं अधिकारियों के समक्ष रखी कुछ ग्रामीणों द्वारा वर्तमान मुआवजा राशि को वास्तविक क्षति की तुलना में अपर्याप्त बताते हुए असंतोष एवं आक्रोश व्यक्त किया गया तथा शासन स्तर पर क्षति के अनुरूप मुआवजा राशि बढ़ाए जाने की मांग की गई। साथ ही ग्राम पंचायत पडरिया के सरपंच भूपेन्द सिंह द्वारा ग्रामवासियों को हाथी विचरण के दौरान वन विभाग को सहयोग प्रदान करने हेतु प्रेरित किया गया। शिविर में भारी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे, जिनमें से 08 हितग्राहियों द्वारा पूर्व में प्राप्त मुआवजा राशि के संबंध में असंतोष व्यक्त किया, कुछ ग्रामीणो एवं महिलाओं ने हाथी के ग्रामीण अंचल में आकर खेत एवं बांडियों के साथ घरों में घुस कर नुकसान किए जाने दौरान वन विभाग के गश्ती दल के कर्मचारियों द्वारा हाथियों को घरों से दूर करने के कोशिश करने के स्थान पर ग्रामीण एवं महिलाओं के साथ आत्महत्या किए जाने पर नाराजगी व्यक्त की कुछ ग्रामीणों के मकान में निरंतर कई वर्षों से आ रहे हाथियों द्वारा विचरण दौरान आने को पर घरों में तोड़फोड़ कर नुकसान पहुंचा गया है कि आर्थिक स्थिति ठीक नहीं होने से मकान का मरम्मत नहीं कर अपने गांव में अन्य स्थान पर रहने की व्यवस्था न होने से पन्नी का तंबू बनाकर रहने को बाध्य होने की बातें कही ग्राम चोई के साथ अन्य ग्रामो के कुछ ग्रामीणों द्वारा हाथियों के समूह से नजदीक तक पहुंचकर हाथियों से मारपीट करने, छेड़खानी करने तथा वनविभाग के गश्ती दल के कर्मचारियों के साथ अभद्रता पूर्ण व्यवहार करने की बात सामने आई।